दैनिक जागरण आई Next dt 07/06/2025

जहां अधिक और घनी ग्रीनरी, वहां 2-3 डिग्री कम रहता टेम्प्रेचर

ग्रीन बेल्ट से गर्मी रहती दूर ऑक्सीजन भी मिलती भरपूर

GO GREEN
BREATHE CLEAN

ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने से बॉयोडायवर्सिटी को बचाने में भी मिलती मदद

kanpur@inext.co.in

KANPUR (6 June): ग्रीन बेल्ट का नाम सुनते ही आंखों के सामने एक हरी-भरी तस्वीर उभरने लगती है. वहीं जब हकीकत में आप यहां पहुंचते हैं या यहां से निकलते तो एक अलग ही सुकून मिलता है. गर्मी से राहत के साथ ऐसा लगता है कि बस यहीं ठहर जाएं. 10 मिनट भी यहां रुकने पर बॉडी का एनर्जी लेवल बढ़ जाता है. ग्रीनबेल्ट सिर्फ आपके एरिया या शहर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता है बल्कि लोगों की लाइफ भी बढ़ाता है. ग्रीन बेल्ट वाले एरिया में बाकी एरिया की तुलना में टेम्प्रेचर दो से तीन डिग्री कम रहता है. वहीं लोगों को भरपूर ऑक्सीजन भी मिलती है. यही वजह है कि पार्कों में सुबह शाम भीड़ लगती है. इसलिए जितन हो सके अपने आसपास पेड़ लगाएं, एरिया को हरा-भरा रखें.

यहां रहने वाले लोग दूसरों की तुलना में रहते स्वस्थ और फिट

PIC: CONCEPT PIC

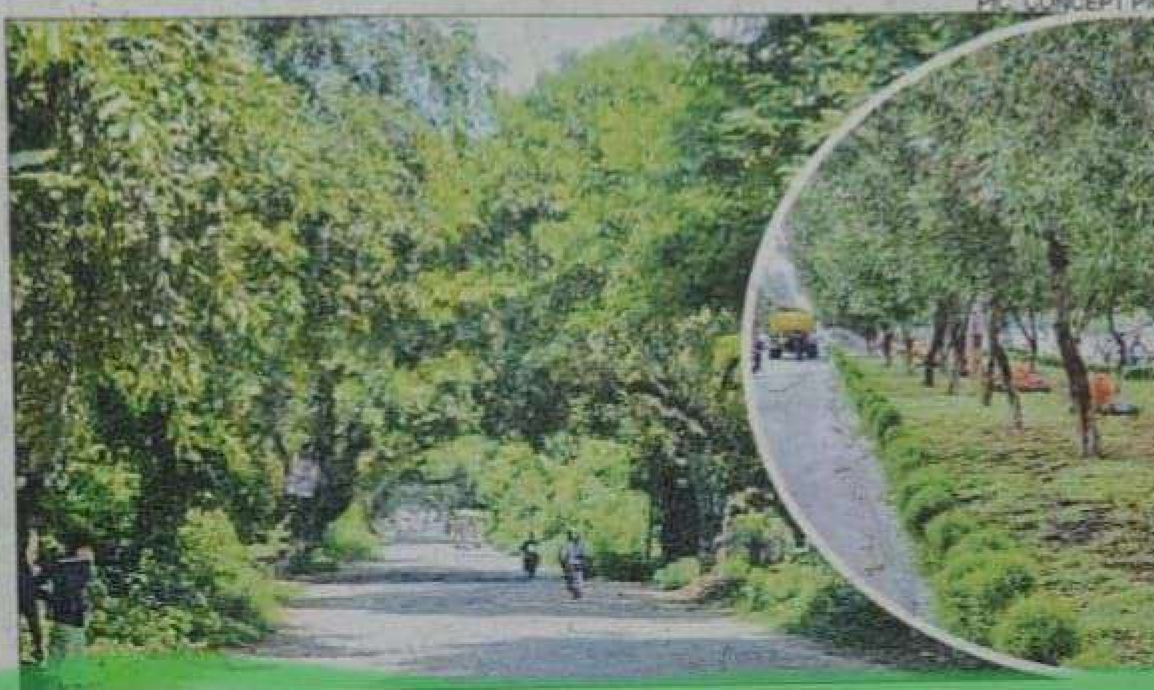

वातावरण रहता है ठंडा

ग्रीनबेल्ट वाले एरिया में पॉल्यूशन भी कम होता है. सीएसए यूनिवर्सिटी के डीन ऑफ हॉर्टिकल्चर डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए पेड़ पौधे बेहद जरूरी होते हैं. ये टेम्प्रेचर को भी कंट्रोल करते हैं और ऑक्सीजन भी प्रोवाइड करते हैं. यही वजह है कि अगर सीएसए कैंपस, जू, संजय वन, नानाराव पार्क में हमेशा बाहर के परिवाज के मुताबिक 2 से 3 डिग्री तक टेम्प्रेचर कम रहता है. साथ ही उस एरिया का एनवॉयरमेंट भी अच्छा रहता है. आसपास का वातावरण भी ठंडा रहता है. शांति बनी रहती है.

ये फायदे होते ग्रीन बेल्ट से

हवा साफ रहती है
पेड़- पौधे हवा में फैले धुएं और जहरीली गैसों को सोख लेते है

शोर कम होता है
हरियाली शोर को रोकती है, जिससे आसपास का माहौल शांत रहता है.

गर्मी कम रहती है
पेड़ लोगों को छाया के साथ भरपूर ऑक्सीजन देते है

पक्षियों का घर
ये जगहें पक्षियों और छोटे जानवरों के लिए सुरक्षित होती हैं.

सुकून मिलता है
यहां टहलने, बैठने और आराम करने से मन खुश होता है तनाव कम होता है.

ग्रीनबेल्ट में ये पेड़ लगाएं

डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया ग्रीनबेल्ट में हमें ऐसे पेड़ ज्यादा लगाने चाहिए जो अधिक ऑक्सीजन प्रोवाइड करें साथ ही छोटे हों जिससे आसपास के एरिया में किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो. इनसे ब्यूटिफिकेशन भी होता है और फ्रेश एयर भी मिलती है. ग्रीन बेल्ट में इलास्टिका, बरगद का बोनसाई, पाकड़ का बोनसाई, पेंडुला, गुलाचीन, प्लूमेरिया अलवा, मौलश्री, पुत्रंजीवा जैसे पेड़ लगाने चाहिए. इन सभी पेड़ों से ऑक्सीजन बहुत ज्यादा मात्रा में मिलती है. अगर ऐसे पेड़ लगे रहेंगे तो बॉयोडायवर्सिटी को बचाने में भी आसानी रहेगी. पक्षियों को अपना घर बनाने के लिए जगह मिल जाएगी. ये भी हमारे पर्यावरण का अहम अंग हैं. सभी का कोई न कोई विशिष्ट रोल है. यह पौधे सभी के लिए फायदेमंद साबित होंगे.

"अगर लोग हमारे पास प्रॉपर तरीके से आएंगे, सभी फार्मेलिटीज पूरी करेंगे तो उन्हें ग्रीन बेल्ट गोद दे दी जाएगी. क्योंकि हम भी चाहते हैं कि ग्रीनबेल्ट की देख रेख अच्छे से हो. कई संस्थाओं को हमने गोद दिया भी है.

कृपा शंकर पांडेय, उद्यान अधिरक्षक, नगर निगम

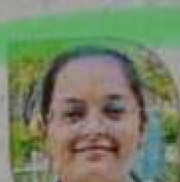

"ग्रीन बेल्ट सभी एरिया में होनी चाहिए. मेरे घर के सामने भी एक ग्रीन बेल्ट है जिसकी देखरेख नगर निगम नहीं करता है. बल्कि वहां कचरा फेका जाता है अगर कोई सवाल उठाता है या कुछ कहता है तो इस पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता है.

श्रुति सिंह, स्टूडेंट

"ग्रीन बेल्ट सिर्फ सुंदरीकरण के लिए नहीं बल्कि सेहत के लिए भी अच्छी होती है. मैं नए नए पेड़ों के बारे में रिसर्च करता रहता हूं. मैंने अपने घर में भी कई तरीके के पेड़ लगाए हुए है जिनसे छाया के साथ ऑक्सीजन भी मिलती है.

डॉ. अमित तिवारी, प्रोफेसर

"मुझे पेड़ लगाने का बहुत शौक है अगर मुझे ये जिम्मेदारी दी जाए तो मैं कई पेड़ लगाऊं. उनका ध्यान भी रखूं. अगर नगर निगम ग्रीन बेल्ट में फेंसिंग करवा दे तो हम बहुत से पेड़ लगा सकते हैं और उन्हें बचा भी सकते हैं.

आफिया अंसारी, स्टूडेंट

सीएसए में हुआ बृहद वृक्षारोपण विकसित किया योग वाटिका

शाश्वत टाइम्स कानपुर/ उत्तर प्रदेश की कुलाधिपति आंनदीबेन पटेल से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे रोपित किए। यह पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के द्वारा रोपित किए गये। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। उद्यान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ 21 चन्दन के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ अजय कुमार सिंह डॉ अनिल कुमार सिंह तथा नर्सरी अधीक्षक धनीराम, कई शिक्षकों व 300 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रंजिश में युवक को

दैनिक जागरण आई Next dt 07/06/25

सीएसए में जल्द बनने जा रही है चंदन वाटिका

सीएसए में 21 से ज्यादा चंदन के पौधे लगाए गए

KANPUR (6 June): कुलाधिपति उत्तर प्रदेश आंनदीवेन पटेल से प्राप्त निर्देशानुसार सीएसए यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत 10 पॉइंट्स वाले कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर यूनिवर्सिटी में संग्रहालय के पास एक एकड़ जगह में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर पीके उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी, आदि ने लगाए.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

कैंपस के अंदर पौधा लगाते स्टूडेंट्स और प्रोफेसर.

300 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने लगाए पेड़

इस अवसर पर वाइस चांसलर ने बताया कि इस वाटिका के बनने के बाद स्टूडेंट्स, कर्मचारी तथा यूनिवर्सिटी के शिक्षक इस हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे. प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी फूल भी लगाए जाएंगे. यूनिवर्सिटी के अंदर ही स्थित 100 साल पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य वाइस चांसलर डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया. इस अवसर पर डॉ आनंद ने यूनिवर्सिटी के अधिकारियों, कर्मचारियों, टीचर्स और स्टूडेंट्स के साथ 21 चन्दन के पौधे लगाए. इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय डॉ. विजय यादव के साथ 300 से ज्यादा स्टूडेंट्स के साथ टीचर्स ने हिस्सा लिया.

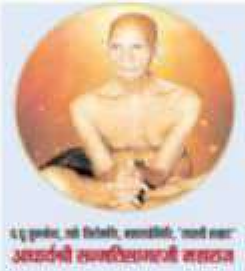

अमर भारती
एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्षः 14, अंकः 154, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शनिवार, 07 जून 2025 शक संवत् 1947, ज्येष्ठ

वृहद पौधरोपण कर विकसित की गई योग वाटिका

पर्यावरण

◆ कुलपति ने छात्रों, अधिकारियों कर्मचारियों और शिक्षकों के साथ लगाए पौधे

कानपुर (अमर भारती)। कुलाधिपति आंनदीबेन पटेल के निर्देशानुसार विवि के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के साथ रोपित किए। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 343 कानपुर, शनिवार 07 जून 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

बृहद पौधारोपण कर विकसित किया योग वाटिका

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। कुलाधिपति आंनदीवेन पटेल के निर्देशानुसार विवि के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के साथ रोपित किए।

इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ 21 चन्दन के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ अजय कुमार सिंह डॉ अनिल कुमार सिंह तथा नर्सरी अधीक्षक श्री धनीरामके साथ 300 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया।

सीएसए में 151 पोधे रोपित कर विकसित की योग वाटिका

कानपुर, 6 जून। उत्तर प्रदेश, राज्यपाल श्रीमती आंनदीवेन पटेल के निर्देशानुसार चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में

पौधरोपण करते विवि के अधिकारी।

प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के साथ रोपित किए। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में हुआ। अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ 21 चन्दन के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. रामजी गुप्ता, डॉ विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ अजय कुमार सिंह डॉ अनिल कुमार सिंह, नर्सरी अधीक्षक धनीराम के साथ 300 से अधिक छात्र छात्राएं शामिल हुए।

सत्य का असर समाचार पत्र

Saturday 7th June 2025 jksingh.hardoi@gmail.com website: ?????? ???? 9956834016

सीएसए में हुआ बृहद वृक्षारोपण , विकसित किया योग वाटिका

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर कुलाधिपति उत्तर प्रदेश श्रीमती आंनदीवेन पटेल जी से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के साथ रोपित किए। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह जी के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ 21 चन्दन के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ अजय कुमार सिंह डॉ अनिल कुमार सिंह तथा नर्सरी अधीक्षक श्री धनीरामके साथ 300 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्षः 15 अंक :137 कानपुर, शनिवार 7 जून 2025 RNI UPHIN/2010/47220

सीएसए में हुआ बृहद वृक्षारोपण

विकसित किया योग वाटिका

कानपुर/ उत्तर प्रदेश की कुलाधिपति आंनदीवेन पटेल से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग कार्यक्रम श्रृंखला के

अंतर्गत 10 कार्यक्रमों में शामिल योग वाटिका विकसित किए जाने के कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विश्विविद्यालय में संग्रहालय के पास एक एकड़ भूमि में मॉलश्री, बॉटल पाम, हेमेलीया, गुलाचीन, कैलेंड्रा, कनेर, जाकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे रोपित किए। यह पौधे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.के.उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो सी एल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो मुनीश कुमार के द्वारा रोपित किए गये। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक इस सुगंधित वातावरण में, हरी-भरी वाटिका में बैठकर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। उद्यान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इसमें सीजन के अनुसार अन्य शोभाकारी एवं मौसमी पुष्प भी रोपित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ 21 चन्दन के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा कई शिक्षकों व 300 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

...में भीषण

...सान

की जांच की जा रही है। पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही और नुकसान का आकलन शुरू किया गया है।शास्त्री नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष विनोद गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर व्यापारी से मुलाकात की और प्रशासन से तत्काल मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा कि यह हादसा न केवल एक दुकानदार की आर्थिक बर्बादी है, बल्कि व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।पीड़ित जेपी गुप्ता ने बताया कि वे वर्षों से इस व्यापार में लगे हैं, लेकिन इस तरह की घटना पहली बार हुई है।

कुमार, दिनेश सिंह, विनय मिश्रा, ... दीपू,
हि... (ब्यूरो)

अमर उजाला 07/06/2025

सीएसए में लगाए गए 151 पौधे

कानपुर। सीएसए में शुक्रवार को पौधरोपण किया गया। विवि में संग्रहालय के पास मौलश्री, बॉटल पाम, हेमेलिया, गुलाचीन, कैलेंडर, कनेर, जकरंडा, अर्जुन, पीपल, नीम और बरगद सहित 151 पौधे लगाए गए। यहां कुलसचिव प्रो. पीके उपाध्याय, अधिष्ठाता उद्यान संकाय प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता वानिकी प्रो. कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि प्रो. सीएल मौर्य तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. मुनीश कुमार ने पौधे रोपित किए। वहीं, विवि स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया है। यहां कुलपति ने विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ चंदन के 21 पौधे लगाए हैं। यहां डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. विजय यादव, डॉ. सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. अखिलेश मिश्रा, प्रो. सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता मौजूद रहे। (ब्यूरो)

एआई के अनुसार ... रहें शिक्षक

अमर उजाला 07/6/2025

परीक्षा में लेंगे अंगुलियों की छाप, काउंसलिंग में मिलान

इस बार सीएसए करा रहा यूपीकैटेट, 11 और 12 जून को 11 शहरों में होगी परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) में नकल रोकने के लिए कमर कस ली गई है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए इस बार एग्जाम के दौरान अभ्यर्थियों के अंगुलियों के निशानों को सुरक्षित कर लिया जाएगा। इनका मिलान काउंसलिंग के दौरान होगा। काउंसलिंग और परीक्षा के दौरान अंतर मिलने पर छात्र की परीक्षा निरस्त कर उस पर कार्रवाई की जाएगी।

यूपीकैटेट का आयोजन इस साल चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय करा रहा है। इस बार प्रदेश के 11 शहरों में परीक्षा होगी। इसके लिए कुल 42 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 11 और 12 जून को होगी। पहले दिन 26 केंद्र पर स्नातक पाठ्यक्रम और दूसरे दिन 10 केंद्र पर परास्नातक व पीएचडी की परीक्षा होगी। वहीं, दोपहर बाद छह केंद्र पर एमबीए पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा होगी।

इस परीक्षा के तहत प्रदेश की सभी पांचों कृषि विश्वविद्यालयों चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर, आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा गौतम बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुशीनगर में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा।

कोचिंग का प्रचार करने वाले कपड़े पहने तो नहीं मिलेगा प्रवेश

जो भी अभ्यर्थी किसी कोचिंग संस्थान अथवा किसी अन्य कंपनी का प्रचार करने वाले कपड़े, टीशर्ट, कैप पहनकर पहुंचेगा उसे केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा सुबह नौ बजे से होगी इसके लिए 45 मिनट पहले पहुंचना अनिवार्य है।

कुलसचिव डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि परीक्षा के लिए अयोध्या, आगरा, मेरठ, बरेली, झांसी, लखनऊ, वाराणसी, बांदा, आजमगढ़, कानपुर, गोरखपुर में केंद्र बनाए गए हैं। केंद्रों के लिए पर्यवेक्षक और नोडल अधिकारी तय किए गए हैं। 11 और 12 जून को होने वाली परीक्षा में पहले दिन स्नातक पाठ्यक्रम और दूसरे दिन परास्नातक, पीएचडी और एमबीए पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा होगी।

कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि नकलविहीन परीक्षा के लिए पूरी तैयारी है। सभी परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन निगरानी के साथ ही वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई जाएगी। जो भी परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचेंगे उनकी अंगुलियां के निशान सुरक्षित किए जाएंगे, जिनका मिलान काउंसिलिंग के समय किया जाएगा। गड़बड़ मिलने पर छात्र की परीक्षा तत्काल निरस्त कर दी जाएगी।